

श्री प्रफुल्ल पटेल: माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि सही नंबर लगेगा या नहीं?
...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: कृपया आपस में बात नहीं कीजिए।

श्री धोत्रे संजय शामराव: अगर किसी भी सदस्य की ओर कोई प्रॉब्लम होगी, तो वे उसके बारे में कभी भी बता सकते हैं। ...(व्यवधान)... मैं निश्चित तौर पर निर्देश दूंगा कि किसी को भी - वह चाहे सदस्य हो या कोई आम आदमी हो, सभी को अच्छी क्वालिटी की सेवा मिलनी चाहिए। मैं यह बताना चाहता हूं कि हम इसके लिए निश्चित तौर पर प्रयासरत रहेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 48.

Decrease in sale of Post Cards, Inland Letters etc.

*48. SHRI A. VIJAYAKUMAR: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

- (a) whether the sale of Post Cards, Inland Letters, etc. has decreased in recent years;
- (b) if so, the details thereof;
- (c) whether there is any dedicated aircraft for Postal Department; and
- (d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS, (SHRI DHOTRE SANJAY SHAMRAO): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Post Cards, Inland Letters are traditional services being offered by the Department of Posts to its customers. These services demonstrate the commitment of the Department to offer economical services to the common man. The cost incurred on the Post card is ₹ 12.98/- per piece. However, it is priced at ₹ 0.50/- per piece for affordable communication by the common man and other customers. Similarly, most of the mail services are also subsidized. In spite of the proliferation of technological means of communications in the country, the Post Cards and Inland Letter Cards retain its popularity amongst the people. However, the demand for these services fluctuates from time to time. The Department also offers other services including Registered Letter services, Speed Post Letter services etc. Most of the services including Speed Post, Registered Post etc. have shown an increasing trend during the period.

(b) The traffic of the Post Cards, Inland Letters etc. (the data of Inland Letters is not maintained separately) over the last three years is as under:

(figures in crores)

Name of the Product/ Service	2016-17	2017-18	2018-19
Post Cards (including acknowledgments)	99.89	106.23	87.35
Unregistered Letters (Including Inland Letter Cards)	310.81	312.61	281.25
Registered Post	18.34	19.33	19.79
Speed Post	46.31	46.38	53.73

(c) No, Sir.

(d) Does not arise in view of (c) above.

SHRI A. VIJAYAKUMAR: Sir, the maximum use of inland letters and postcards is made by poor people. Is the Government thinking of making it possible to get ordinary letters delivered as quickly as Speed Posts?

श्री धोत्रे संजय शामराव: उपसभापति जी, post cards and inland letters का विषय हमारे देश के लोगों से जुड़ा हुआ एक बहुत ही इमोशनल विषय है। जो इसकी डिलिवरी है, वह जल्दी से जल्दी कैसे हो, हम इसके लिए मेल बैग की tracking के लिए technology का भी पूरी तरह से use कर रहे हैं और हम डाक पेटिका की निकासी की भी tracking भी हमेशा करते रहते हैं।

SHRI A. VIJAYAKUMAR: Sir, I am talking about a specific time-limit. Letters posted by Speed Post get delivered within 24 hours. Can inland letters and postcards also get delivered within a specific time-limit?

श्री धोत्रे संजय शामराव: उपसभापति जी, वैसे तो generally तीन से छः दिनों के अंदर maximum post cards and inland letters deliver होते हैं। अगर कहीं पर ज्यादा समय लगता है, तो हम उसकी पूरी inquiry करके रिपोर्ट मंगा लेते हैं।

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, one of the main reasons for the lack of sale of postcards and inland letters is that they are not able to compete with the speed and convenience of the private couriers. What steps is the Postal Department taking to compete with private couriers so that the Postal Department is not in loss?

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, hon. Members need to understand that the postcard, in many ways, has become the communication tool of ordinary Indians, so is the inland letter. We have all grown from our childhood days with those institutions. And, though the printing and other costs are ₹ 12, yet we subsidise it for the common people of the country. Therefore, courier service need not be compared with the postcards and inland letters, but I do take your point. I wish to share with this hon. House that in e-commerce delivery, my Postal Department is playing a very, very crucial role. The other idea and agenda is to further improve the delivery part of it including Speed Posts and parcel delivery. These are all questions of improvement. As far as the private players are concerned, India is a free country and anyone can come, but the trust of the people of India with the postal institution remains intact. What is important for us is to ensure that this trust remains unshaken. That is how I would like to put it.

श्रीमती कहकशां परवीन: उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछना चाहती हूँ। क्योंकि माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में यह कहा है कि डाक विभाग पर लोगों का भरोसा है और हम सभी जानते हैं कि हमारी ज्यादातर आबादी गाँव में रहती है और गाँव के लोग आज भी अपनी चिट्ठियों का इंतजार करते हैं। जब भी डाकिया अपनी पोशाक पहने घंटी बजाता है तो लोग समझते हैं कि हमारी चिट्ठी आ गई। वह उनके लिए कहीं न कहीं अच्छे संदेश लाता है। यद्यपि आज के दौर में लोग एंड्रायड मोबाइल फोन का भी इस्तेमाल अवश्य कर रहे हैं, लेकिन उस पर जो messages आते हैं, वे delete भी कर दिए जाते हैं।

† **محترمہ کہکشاں پروین :** آپ سبھا پٹی مہودے، آپ کا بہت بہت شکریہ۔ میں آپ کے مادھیم سے مائنٹے منتری جی سے سوال پوچھنا چاہتی ہوں۔ کہیں کہ مائنٹے منتری جی نے اپنے جواب میں یہ کہا ہے کہ ڈاک وہاں پر لوگوں کا بھروسہ ہے اور ہم بھی جانتے ہیں کہ ہماری زلحدہ تر آبادی گاؤں میں رہتی ہے اور گاؤں کے لوگ آج بھی اپری چٹھیں کا انتظار کرتے ہیں۔ جب بھی ڈاک اپری پوشاک پہنے گھنٹی بجاتا ہے تو لوگ سمجھتے ہیں کہ ہماری چٹھی آ گئی۔ وہ ان کے لئے کہیں نہ کہیں اچھا سندش لاتا ہے۔ لیکن آج کے دور میں لوگ انڈرلڈ موبائل فون کا بھی استعمال ضرور کرتے ہیں، لیکن اس پر جو مرسج آتے ہیں، وہ ڈیلٹ بھی کر دئے جاتے ہیں۔

श्री उपसभापति: आप अपना सवाल पूछिए।

श्रीमती कहकशां परवीन: मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूँ कि सरकार की जितनी लाभकारी योजनाएँ हैं, उन योजनाओं का लाभ आम जनों तक पहुँचे, इसके लिए क्या वे सारे मंत्रालयों

†Transliteration in Urdu script.

से विचार-विमर्श करके सरकारी योजनाओं को उस ग्रामीण भोली-भाली जनता तक पहुँचाने का काम करेंगे?

†محترمہ کہکشاں پروین: می مائے منتری جی سے یہ جاننا چاہتی ہوں کہ سرکار کی جتنی لابی کاری کی جائیگی، ان کی جتنوں کا لابی عام جنوں تک پہنچے، اس کے لئے کئی وہ سارے منترا لیں سے وچار و مرش کر کے سرکاری کی جتنوں کو اس گرام کی بھولی بھالی جتنا تک پہنچانے کا کام کریں گے؟

श्री धोत्रे संजय शामराव: सर, जो पोस्टमैन या डाकिया है, हम उसको सबसे विश्वसनीय समझते हैं और वह हमारे परिवार का ही एक हिस्सा होता है। उसके लिए बहन जी ने बहुत अच्छे शब्द कहे, इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने सारी कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बहुत अच्छा सुझाव दिया है। निश्चित ही हम इसके लिए प्रयासरत हैं और सभी के साथ बातचीत करके निश्चित ही हम इसको अच्छी तरह से आगे बढ़ाएँगे।

श्री उपसभापति: प्रश्न संख्या 49.

देश में शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन किया जाना

*49. श्री नारायण राणे: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु कौन-सा तंत्र विद्यमान है;

(ख) यह तंत्र किस प्रकार से काम कर रहा है;

(ग) देश में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने तथा उसमें सुधार करने में यह तंत्र किस हद तक सफल रहा है; और

(घ) सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'): (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (घ) इस देश में शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाले तंत्र का विवरण निम्नलिखित है:

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता

(i) उच्च शिक्षा की गुणवत्ता हेतु संस्था के अपनी प्रक्रियाओं और कार्य प्रणाली के आधार पर 'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्' (एन.ए.ए.सी.) NAAC द्वारा आकलन

†Transliteration in Urdu script.